

## **Scam in Procurement of Paddy**

### **\*491 Paddy Purchase Scam in 2019**

**\*491** Sh. Shamsheer Singh Gogi, MLA : Will the Deputy Chief Minister be pleased to State:-

- a) whether any scam regarding purchase of paddy in 2019 has been detected by the Government ; if so , the details of complete inquiry; and
- b) the list of officials and rice mill owners found guilty in the above said scam together with the action taken by the Government in the matter?

Written Statement of Sh. Dushyant Chautala, Deputy Chief Minister and Minister of Food Civil Supplies and Consumer Affairs Department, Haryana

**Ans:** There was an apprehension after the procurement of paddy in 2019 that there may be shortage in paddy purchased in kharif Marketing season 2019-20 stored in the premises of registered rice mills. Physical verifications were therefore conducted by inter departmental teams in the months of November and December 2019. In July 2020, another physical verification was conducted in premises of mills which had not delivered CMR upto 90% by that time.

- b) A total shortage of 42,589 MT paddy was found in 1207 rice mills during these physical verifications conducted in November and December, 2019 and recoveries of Rs. 76,19,33,196 from respective millers have been made from millers against shortage in stocks discovered during physical verification. In physical verification during the month of July 2020, a total shortage of 18884 MT was found in 98 rice mills. The recovery of shortage found is being made from the respective millers.

## धान की खरीद में घोटाला

- '491 शमशेर सिंह गोगी, विधायक : क्या उप मुख्य मंत्री कृपया बताएंगे कि क्या वर्ष 2019 के दौरान धान की खरीद में घोटाला सरकार के ध्यान में आया है, यदि ऐसा है तो पूर्ण जॉच का विवरण दें ?
- बी) उक्त वर्णित घोटाले में दोषी पाए गए मिलर्ज और कर्मचारियों की सूची तथा मामले में सरकार द्वारा की गई पूर्ण कार्रवाई का विवरण ।

श्री दुष्यन्त चौटाला उप मुख्यमंत्री और खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री का लिखित वक्तव्य ।

उत्तर: वर्ष 2019 में धान की खरीद के बाद यह अशांका थी कि खरीफ खरीद सीजन 2019-20 के दौरान खरीदा गया धान जो कि पंजीकृत राईस मिलों में भण्डारित किया गया है उसमें कमी हो सकती है। मास नवम्बर और दिसम्बर 2019 के दौरान अन्तर विभागीय टीमों का गठन करके भौतिक जॉच करवाई गई। जुलाई 2020 के दौरान उन मिलों के प्रांगणों की भौतिक जॉच करवाई गई, जिन मिलों द्वारा उस समय तक 90 प्रतिशत चावल डिलीवर नहीं किया गया था ।

बी) मास नवम्बर और दिसम्बर 2019 की भौतिक जॉच के दौरान 1207 चावल मिलों में 42589 मिट्रिक टन धान कम पाया गया तथा भौतिक जॉच के दौरान कम पाए गए स्टॉक की 76,19,33,196/- रुपये की वसूली सम्बन्धित मिलर्ज से की गई। मास जुलाई 2020 में की गई भौतिक जॉच के दौरान 98 चावल मिलों में 18884 मिट्रिक टन की कमी पाई गई। पाई गई कमी की सम्बन्धित मिलर्ज से रिकवरी की जा रही है।